

मा० मुख्यमंत्री घोषणा के अन्तर्गतसंख्या:- 560 / ।।।(2) / 11-03(मु०मं०घो०) / 2011

प्रेषक,

महिमा,
अनुसंचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा मे,

मुख्य अभियन्ता स्तर-1,
लोक निर्माण विभाग,
देहरादून।

लोक निर्माण अनुभाग-2

विषय:-

मा० मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के श्रीनगर में स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह के उच्चीकरण की प्रशासकीय एवं वित्तीय तथा व्यय की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

देहरादून: दिनांक: 25 मार्च, 2011

संख्या:- 247 / 2010 के अनुक्रम में मुख्य अभियन्ता गोक्षो, लोक निर्माण विभाग पौड़ी द्वारा श्रीनगर स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह के उच्चीकरण हेतु उपलब्ध कराये गये प्रथम चरण के प्रारम्भिक आगणन, जिसकी लागत ₹ 5.00 लाख है, पर टी०ए०सी० वित्त द्वारा औचित्यपूर्ण पाई गई धनराशि ₹ 2.09 लाख (₹ दो लाख नौ हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए ₹ 0.10 लाख (₹ दस हजार मात्र) की धनराशि को चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में व्यय करने की महामहिम श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) उक्त स्वीकृति के आधार पर विभाग द्वारा समस्त प्रक्रियात्मक कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जायेगा तदोपरान्त उक्त सन्दर्भित शासनादेश सं: - 1764 / ।।।(2) / 10-17(सामाच्य) / 2008 दिनांक 17 जून, 2010 की व्यवस्थानुसार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर शासन को वित्तीय स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की जायेगी। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पर शासन से अनुमोदन प्राप्त होने के उपरान्त ही मोटर मार्ग के निर्माण का कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- (ii) आगणन मे उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- (iii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना की स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। यदि प्रथम चरण हेतु स्वीकृत की जा रही धनराशि मे बचत हो रही है तो उसका समायोजन विस्तृत आगणन तैयार करते समय किया जायेगा।
- (iv) कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टयों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- (v) आगणन मे जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है व्यय उसी मद में किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय। वास्तविक व्यय आधार पर यदि कोई धनराशि स्वीकृत लागत के सापेक्ष बचती है तो उसे यथासमय समर्पित कर दिया जायेगा।
- (vi) स्वीकृत किया जाने वाला कार्य उत्तराखण्ड प्रोक्यौरमेन्ट रूल्स-2008 एवं उक्त के विषय मे समय-समय पर निर्गत समस्त दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा। बजट मैनुअलके निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।

Mohd.

(vii) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं:— 2047 / XIV-219(2006) दिनांक 30-05-2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(viii) स्वीकृत किये जा रहे कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता का सम्पूर्ण दायित्व संबंधित अधिशासी अभियन्ता का होगा।

(ix) इस संबंध मे होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-11 मे लोक निर्माण विभाग के अनुदान सं:—22-लेखाषीर्क-4059 लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय-80 सामान्य-800 अन्य भवन-09 लोक निर्माण (नये कार्य)-00-24 वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

(x) यह आदेश वित्त अनुभाग-2 के अशासकीय संख्या— 899(1)/XXVII(2)/2010 दि: 25 मार्च, 2011 मे प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(महिमा)

अनु सचिव

संख्या:— 560 (1) / 111(2) / 11-03(मुमोघो) / 2011 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित :—

1. महालेखाकार (लेखा प्रथम), ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा देहरादून।
2. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
3. जिलाधिकारी, जनपद पौड़ी गढ़वाल।
4. मुख्य अभियन्ता, गढ़वाल क्षेत्र, लो.नि.वि., पौड़ी।
5. मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी जनपद पौड़ी/देहरादून।
6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ/राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड शासन।
8. अधीक्षण अभियन्ता, 12वाँ वृत्त, लो०नि०वि०, पौड़ी।
9. अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, श्रीनगर।
10. लोक निर्माण अनुभाग-1/3 उत्तराखण्ड शासन।

आज्ञा से,

महिमा

(महिमा)

अनु सचिव